PENGUIN SERIES

नई किरण

हिंदी पाठ्य-पुस्तक

लेखक
सुशील कुमार सिंघल
तनिष्का अग्रवाल

1

PETERSON PRESS
EDUCATION LEADS
A UNIT OF
NAMAN PUBLISHING (INDIA) PVT. LTD.

PETERSON PRESS
(A unit of Naman Publishing (INDIA) Pvt. Ltd.)
Behind Silver Line School,
Laxmipuram, Rajpur Chungi, Agra–282001
Regd. Office : 7/209, Tulsi Chabootra, Taj Ganj, Agra
Mobile : +919837004559, 9927094441
Telefax : 0562-2481926
e-mail : namanpublishing@yahoo.com

New Edition

© All rights reserved.

No part of this book may be reproduced or copied in any form or by any means (graphic, electronic or mechanical, including photocopying, recording, taping, or information retrieval system) or reproduced on any disc, tape, perforated media or other information storage device, etc., without the written permission of the publishers.

Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may be brought to our notice and it shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publishers nor the author or seller will be responsible for any damage or loss of any kind, in any manner, therefrom.

Written by :
Sushil Kumar Singhal
(M.A., M.Com., B.Ed., NET)

Designed by :
Kartik computers
09837203660

The contents, transparencies, illustrations and layout of this book are the sole property of Peterson Press, Agra and are copyrighted. Any reproduction in whole or in part in any form what so ever is strictly prohibited.

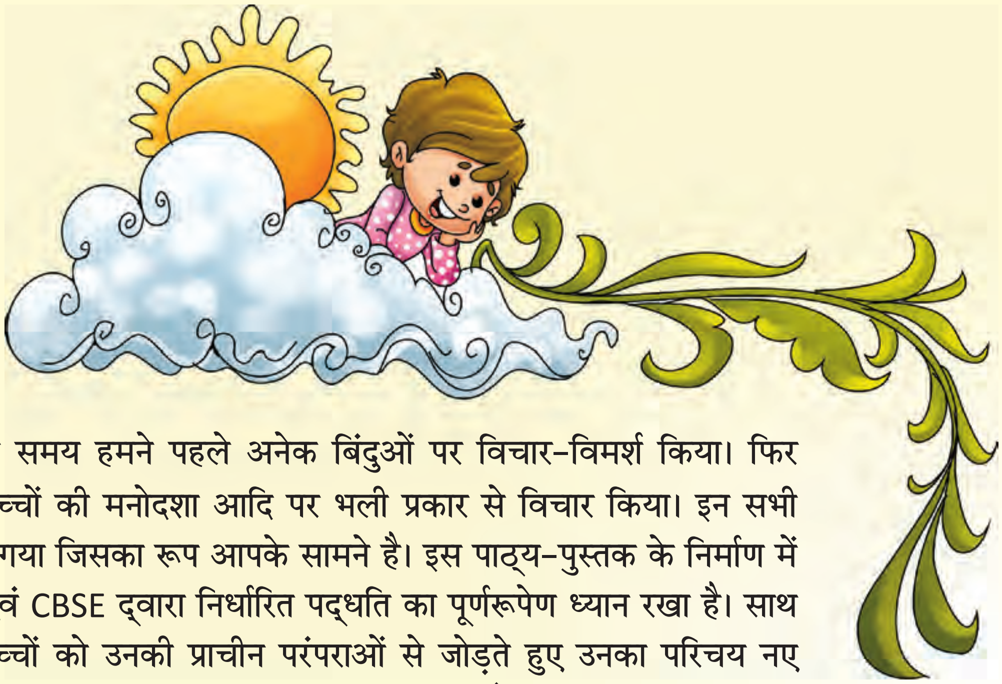

मन की बात

प्रिय पाठकवृंद,

'नई किरण' पाठ्य-पुस्तक की रचना करते समय हमने पहले अनेक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। फिर अपने विभिन्न सुधीजनों, टीम के सदस्यों, बच्चों की मनोदशा आदि पर भली प्रकार से विचार किया। इन सभी बिंदुओं पर विचार कर एक नया प्रयास किया गया जिसका रूप आपके सामने है। इस पाठ्य-पुस्तक के निर्माण में हमने नवीनतम राष्ट्रीय पाठ्यचर्या NCERT एवं CBSE द्वारा निर्धारित पद्धति का पूर्णरूपेण ध्यान रखा है। साथ ही साथ हमारा यह भी प्रयास रहा है कि बच्चों को उनकी प्राचीन परंपराओं से जोड़ते हुए उनका परिचय नए विचारों से भी कराया जाए ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी आधुनिकता की नई ऊँचाइयों को छू सकें।

विद्यालय में प्रवेश लेते ही बच्चों को उसके वातावरण के साथ ताल-मेल बनाना होता है जिससे सीखने की प्रक्रिया सरल और सुगम हो सके। पठन के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ाने हेतु इस शृंखला में विषय-वस्तु का चयन ज्ञान और मनोरंजन–दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है। पुस्तक पठन, केवल वर्णमाला के अक्षरों और मात्राओं को सीखना ही नहीं अपितु सुनना-बोलना, पढ़ना-लिखना, सोचना-समझना जैसे कौशलों का विकास करना भी है।

'नई किरण' हिंदी पाठमाला भाग 1 से 5 की कतिपय विशेषताएँ

- बस्ते का बोझ कम करने हेतु पाठ्य-पुस्तक तथा अभ्यास-पुस्तिका का मिला-जुला रूप।
- प्रतिदिन के अनुभवों से जुड़ी तर्कशक्ति तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली रोचक विषय-वस्तु।
- पठन के प्रति रुचि जगाने के लिए आकर्षक, मनमोहक चित्रकथाएँ एवं लेख।
- बच्चों के स्तरानुरूप कहानी, कविता, एकांकी, घटना-वर्णन आदि से परिचय।
- भाषा में रुचि बढ़ाने हेतु अतिरिक्त पठन-सामग्री**–मौज-मस्ती** का समावेश।
- सरल परिभाषाओं के अतिरिक्त व्याकरण के व्यावहारिक पक्ष पर बल।
- प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में **पाठ चर्चा...** के रूप में पाठ के पठन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना।
- शिशुओं के मूल्यांकन हेतु दो प्रश्नपत्र नए कलेवर में।

हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि नई किरण का नया प्रकाश बच्चों का मार्गदर्शन कर पाठकवृंद की रुचि का केंद्र-बिंदु बनकर हमारे प्रयास को सफल करेगा। आपके बहुमूल्य सुझावों की हमें सदैव प्रतीक्षा रहेगी।

–लेखक एवं प्रकाशक

पाठ-क्रम

❖ हँसता-खेलता बचपन 6
❖ वर्णमाला गीत 8
आलसी खरगोश *(केवल पठन हेतु)* 9
❖ मैं और मेरा परिवार 11
1. 'अ' की मात्रा 12
- गगन झटपट उठ 13
- बरस-बरस 13

2. 'आ' की मात्रा 16
- राधा का मामा 17
- लाल गाजर, हरा मटर 17

3. 'इ' की मात्रा 19
- पिकनिक 20
- महान कलाकार 20

4. 'ई' की मात्रा 23
- माली की बगिया 24
- नानी आई 24

5. 'उ' की मात्रा 27
- कुसुम और सुमन 28
- बुलबुल और बगुला 28

6. 'ऊ' की मात्रा 31
- सावन का महीना 32
- कालू चूहा 32
- रु-रू का प्रयोग 35

7. 'ऋ' की मात्रा 36
शेर और चूहा *(केवल पठन हेतु)* 38
8. 'ए' की मात्रा 39
- मेला 40

9. 'ऐ' की मात्रा 43
- नैनीताल की सैर 44
- नैना का भैया 44

10. 'ओ' की मात्रा 47
- मोर की शादी 48

11. 'औ' की मात्रा 51
- कागज़ की नौका 52
- खिलौनेवाला 52

स्वमूल्यांकन प्रपत्र-1 55
12. दसखड़ी 56
13. 'अं' की मात्रा 58
- मंदिर में बंदर 58

14. 'अँ' की मात्रा 60
- चाँदनी चौक 60

15. 'अः' की मात्रा 62
16. 'र' के रूप 64
- र - रेफ़ 64
- र - पदेन 64
- मेट्रो का सफ़र 64

गिलहरी और गौरैया *(केवल पठन हेतु)* 66
17. संयुक्त व्यंजन 68
18. द्वित्व व्यंजन व संयुक्ताक्षर 70
- ज्योति 71
- बूँद 71

मुनमुन के खिलौने *(केवल पठन हेतु)* 73
19. मीठी बोली (कविता) 74
20. सिद्धार्थ को ज्ञान (कहानी) 77
21. चार मित्र (कहानी) 82
स्वमूल्यांकन प्रपत्र-2 88

पुस्तक : एक नज़र में...

मौज-मस्ती
(केवल पठन हेतु)

अभ्यास

मौखिक कार्य.......

लिखित कार्य.......

भाषा की बात.......

विचार-कौशल.......

रचनात्मक कार्य.......

मौज-मस्ती (केवल पठन हेतु)

शेर और चूहा

जंगल में एक शेर सो रहा था। चूहा उस पर उछल-कूद कर रहा था।

चूहे की उछल-कूद से शेर की नींद खुल गई।

मैं तुम्हें खा जाऊँगा।

मुझे छोड़ दो, मैं किसी दिन अवश्य तुम्हारे काम आऊँगा।

तू छोटा-सा चूहा भला मेरे किस काम आएगा? चल भाग यहाँ से।

फिर एक दिन शेर जाल में फँस गया। चूहा वहाँ से गुजर रहा था।

मेरी मदद करो।

मैं अभी जाल कुतर देता हूँ।

चूहे ने जाल कुतर दिया। शेर बच गया।

हमें कभी किसी को अपने से कमज़ोर नहीं समझना चाहिए।

38 नई किरण-1

मोर की शादी

मोर की थी शादी
सारे जीव थे बाराती।
घोड़ा ढोल बजाता आया
खरगोश कोट पहन इतराया।
कोयल गाना गाती आई
मैना ने फिर बीन बजाई।
ऐनक लगा तोता आया
मैना देख बड़ा शरमाया।
बरफ़ी, ढोकला, इडली, डोसा
गरम-गरम था और समोसा।
मोरनी सज-धजकर आई
सब ने दावत खूब उड़ाई।

48 नई किरण-1

21. चार मित्र

कहानी

बहुत समय पहले की बात है। एक घने जंगल में चार मित्र रहते थे। वे चार मित्र थे—कछुआ, साही, गधा और लोमड़ी। एक दिन वे चारों कहीं घूमने जा रहे थे। शाम हो गई थी। अँधेरा काफ़ी हो गया था। अँधेरा होने के कारण वे सब एक गुफा में चले गए। उन्होंने एक बड़े-से पत्थर को लुढ़काकर गुफा का मुँह बंद कर लिया। अब कोई अन्य जंगली जानवर गुफा के अंदर नहीं आ सकता था। उन्हें यह पता नहीं था कि वह गुफा एक बाघ की है।

रात होने पर बाघ अपनी गुफा पर पहुँचा। बाघ को यह देखकर बहुत अजीब लगा कि गुफा के मुँह पर एक पत्थर रखा हुआ है। वह गुर्राया, "कौन है भीतर?" एक पल के लिए वे सब डर गए। वे समझ गए कि बाहर बाघ है। लेकिन हिम्मत करते हुए लोमड़ी गुर्राई, "मैं हूँ—घाघ। कौन है बाहर और तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मेरी नींद खराब करने की?"

बाघ चकरा गया। वह बोला, "मैं बाघ हूँ। गुफा से बाहर निकलो। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मेरी गुफा में घुसने की?"

82 नई किरण-1

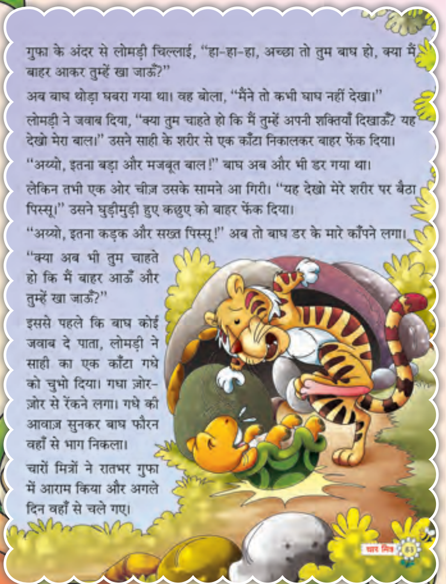

गुफा के अंदर से लोमड़ी चिल्लाई, "हा-हा-हा, अच्छा तो तुम बाघ हो, क्या मैं बाहर आकर तुम्हें खा जाऊँ?"

अब बाघ थोड़ा घबरा गया था। वह बोला, "मैंने तो कभी घाघ नहीं देखा।"

लोमड़ी ने जवाब दिया, "क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें अपनी शक्तियाँ दिखाऊँ? यह देखो मेरा बाल।" उसने साही के शरीर से एक काँटा निकालकर बाहर फेंक दिया।

"अय्यो, इतना बड़ा और मजबूत बाल!" बाघ अब और भी डर गया था।

लेकिन तभी एक ओर चीज़ उसके सामने आ गिरी। "यह देखो मेरे शरीर पर बैठा पिस्सू।" उसने घुड़ीमुड़ी हुए कछुए को बाहर फेंक दिया।

"अय्यो, इतना कड़क और सख्त पिस्सू!" अब तो बाघ डर के मारे काँपने लगा।

"क्या अब भी तुम चाहते हो कि मैं बाहर आऊँ और तुम्हें खा जाऊँ?"

इससे पहले कि बाघ कोई जवाब दे पाता, लोमड़ी ने साही का एक काँटा गधे को चुभो दिया। गधा ज़ोर-ज़ोर से रेंकने लगा। गधे की आवाज़ सुनकर बाघ फौरन वहाँ से भाग निकला।

चारों मित्रों ने रातभर गुफा में आराम किया और अगले दिन वहाँ से चले गए।

चार मित्र 83

गाय – ....
बिल्ली – ....
साँप – ....
कुत्ता – ....
गधा – ....
मेंढक – ....

रचनात्मक कार्य.......

❖ दिए गए जानवरों को पहचानो। पालतू जानवर के नीचे 'प' और जंगली जानवर के नीचे 'जं' लिखो :

चार मित्र 87

स्वमूल्यांकन प्रश्नपत्र-2
(पाठ 12 से 21 तक)